महाविद्या भुवनेश्वरी दीक्षा

सम्पूर्ण चराचर जगत महाविद्या भुवनेश्वरी की ही दिव्य चेतना का विस्तार है
और प्रत्येक जीव उसी परम शक्ति का अंश है।

भुवनेश्वरी अर्थात् भुवन + ईश्वरी।

भुवन - सम्पूर्ण जगत, तीनों लोक, समस्त ब्रह्माण्ड।

ईश्वरी - अधिष्ठात्री, स्वामिनी, परम शक्ति।

महाविद्या भुवनेश्वरी इच्छा शक्ति, ज्ञान शक्ति और क्रिया शक्ति का ही स्वरूप है

इच्छा शक्ति अर्थात् शुभ संकल्प और दिव्य प्रेरणा

ज्ञान शक्ति अर्थात् सत्य, विवेक और आत्मबोध की शक्ति

क्रिया शक्ति अर्थात् उचित कर्म,
लक्ष्य तथा सफलता प्राप्त करने की शक्ति

महाविद्या भुवनेश्वरी तीनों शक्तियों को संतुलित करती है,
जिससे साधक का जीवन सफल, संतुलित और सार्थक बनता है।

महाविद्या भुवनेश्वरी साधक को समृद्धि एवं इच्छित फल प्रदान करती है। भय से मुक्ति प्रदान कर दिव्य संरक्षण प्रदान करती है। साधक के मन, मोह और आसक्ति पर अंकुश रखती है। साधक की इन्द्रियों और मन को सही दिशा प्रदान करती है। सद्गुरु की कृपा से ही भुवनेश्वरी का आशीर्वाद प्रदान किया जाता है।

महाविद्या भुवनेश्वरी की कृपा से- ❁ प्रत्येक क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आता है। ❁ मन में शांति और स्थिरता आती है। ❁ आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता बढ़ती है। ❁ नकारात्मक विचारों में कमी आती है। ❁ करुणा और सहनशीलता का विकास होता है। ❁ कार्यों में एकाग्रता और सफलता प्राप्त होती है। ❁ आध्यात्मिक चेतना का विस्तार होता है। ❁ भोग और मोक्ष के मध्य संतुलन स्थापित होता है। ❁ जीवन का उद्देश्य स्पष्ट होने लगता है।

सद्गुरु से प्राप्त भुवनेश्वरी दीक्षा श्रद्धा, संयम और नियमित साधना के माध्यम से साधक धीरे-धीरे अपने भीतर स्थित उसी दिव्य चेतना का अनुभव करता है। यही अनुभव उसे आत्मविश्वास, शांति, समृद्धि, विवेक, आध्यात्मिक उन्नति और अंततः आत्मबोध की ओर ले जाता है।

- महाविद्या भुवनेश्वरी दीक्षा- 3100/- (प्रति चरण)